(c) whether the Government will either reprint or re-grow stamps in honour of Netaji Subhas Chandra Bose for sale on his next birthday on the 23rd January, 1978;

(d) if so, facts thereabout; and

(e) will Government give out facts about circulation of different designs of stamps issued in honour of Mahatma Gandhi; Netaji Subhas Chandra Bose and Pandit Jawaharlal Nehru?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI NARHARI PRASAD SUKHDEO SAI): (a) No, Sir.

(b)

Netaji Subhas Chandra Bose	23-1-64	2 Million.
Nehru & Nagaland	1-12-67	2 Million.
Azad Hind Government	21-10-68	2 Million.
Gandhi Centenary	2-10-69 75 Paise	3·5 Million.
	20 Paise	8 Million.
	Re-1/-	2·25 Million.
	Rs. 5/-	1·25 Million.
Gandhi & Nehru	15-8-73	5 Million.

(c) There is no proposal for the issue of a stamp in honour of Netaji on his next birthday. There is also no provision for re-printing or re-growing of the commemorative stamps issued on specific occasions.

(d) Does not arise.

(e) The commemorative stamps issued are almost exhausted having been sold to the public. If there are some available they are negligible. However, we have issued Fifth Definitive Series of Stamps on Nehru on 27-5-1976 and Gandhi on 2-10-1976. The commemorative stamps are issued only once whereas the definitive series is a continuous process and are reprinted.

Setting up Plaque of Netaji at Kabul

4120. SHRI SAMAR GUHA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government will make a request to the Governmment of Afganisthan for setting up a plaque at the place at Kabul where Netaji Subhas Chandra Bose stayed for over a month after his escape from India under British Control prior to his departure for Germany;

(b) if so, facts thereabout, and

(c) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI S. KUNDU): (a) Attempts to locate precisely the places where Netaji Subhas Chandra Bose, might have stayed during his sojourn there, are continuing.

(b) and (c). Does not arise.

भिलाई इस्पात संयंत्र की डल्ली राजहारा खानों में हड़ताल

4121. **श्री मोहन धैन :** क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भिलाई इस्पात संयंत्र की डल्ली राजहारा खानों के कर्मचारियों ने अक्तूबर-नवम्बर, 1977 में हड़ताल की थी ;

(ख) यदि हां, तो उनकी मुख्य मांगें क्या हैं ;

(ग) सरकार ने उनकी कौन सी मांगें स्वीकार की हैं और शेष को स्वीकार न करने के क्या कारण हैं; और

(घ) क्या इस हड़ताल के फलस्वरूप हुई हानि का अनुमान लगाया गया है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री करिया मुण्डा) : (क) डल्ली राजहरा की उन खानों में, जिनमें खनन कार्य श्रमिकों द्वारा किया जाता है ठेकेदारों तथा श्रमिक सहकारी समितियों के कामगारों ने अक्तूबर-नवम्बर, 1977 में हड़ताल की थी ।

(ख) उनकी मुख्य मांगें निम्नलिखित थी :—

1. श्रमिकों को काम न होने पर भी मिलने वाली मजूरी दी जाए ।
2. ऐसे मामलों में जिनमें ठेकेदारों द्वारा झोंपड़ी बनाने की सामग्री के लिए भुगतान नहीं किया है, भुगतान किया जाए ।
3. परिवहन कर्मचारियों को माल उतारने के लिए 27 पैसे प्रति टन की दर से पिछला भुगतान किया जाए ।
4. लौह अयस्क मजूरी बोर्ड की सिफारिशें कर्मचारियों की कुछ श्रेणियों जैसे लिपिक कर्मचारियों, परिचालकों और नैमित्तिक मजदूरों पर लागू की जाएं ।

(ग) उपरोक्त सभी मांगें दिनांक 1 नवम्बर, 1977 के बातचीत द्वारा किए गए समझौते से हल कर ली गई थी ।

(घ) सितम्बर-अक्तूबर और नवम्बर, 1977 के महीनों में लौह अयस्क के आयोजित उत्पादन लक्ष्य की तुलना में वास्तविक उत्पादन में उत्पादन की हानि क्रमश: 21.6, 19.4 और 52.3 प्रतिशत रही । हड़ताल होने के कारण तीन महीनों में लोह अयस्क का उत्पादन न होने से 1.87 करोड़ रुपये की हानि हुई ।

डल्ली राजहारा खानों का मशीनीकरण

4122. **श्री मोहन जैन** : क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या डल्ली राजहारा खानों में उत्पादन के लिए मशीनीकरण किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस मशीनीकरण के फलस्वरूप कितने श्रमिकों के बेरोजगार हो जाने की आशंका है; और

(ग) बेरोजगार हुए श्रमिकों को वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा तैयार की जाने वाली योजना का ब्यौरा क्या है ?

इस्पात और खान मंत्री (श्री बीजू पटनायक) : (क) राजहरा की लौह अयस्क खानों में एक खान ऐसी है जिसमें 1960 से मशीनों द्वारा कार्य हो रहा है । प्रौद्योगिकीय आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर डल्ली लौह अयस्क की खानों के यंत्रीकरण के लिए एक योजना कार्यान्वित की जा रही है जिसके चालू वित्त वर्ष के अन्त तक पूर्ण हो जाने की संभावना है ।

(ख) डल्ली लौह अयस्क की खानों के यंत्रीकरण के परिणामस्वरूप ठेकेदारों तथा श्रमिक सहकारी समितियों के इस समय काम कर रहे 6742 कामगारों के फालतू हो जाने की संभावना है ।